पश्चिम बंगाल में परिसीमन

SPECT
RESEARCH ASSOCIATION
SPECT Foundation

दलित मुस्लिम समीकरण

पश्चिम बंगाल की राजनीति में **27% मुसलमान और 23.51% दलित सबसे मजबूत राजनीतिक कड़ी हैं।** चाहे प्रदेश की राजनीति पर हमेशा कंट्रोल अपर कास्ट का रहा है मगर उन्होंने हमेशा इन दोनों समुदाय को साध कर ही प्रदेश की सत्ता को अपने कण्ट्रोल में रखा है।

पश्चिम बंगाल में 27% मुस्लिम

पश्चिम बंगाल की कुल आबादी का 27% मुस्लिम है। इसके बावजूद आज तक मुसलमानों को आबादी के हिसाब से विधानसभा में राजनीतिक हिस्सेदारी नहीं मिली है। आबादी के हिसाब से विधानसभा में **79 मुस्लिम विधायक होने चाहिए मगर 2021 के विधानसभा में केवल 42 मुस्लिम विधायक** चुने गए थे।

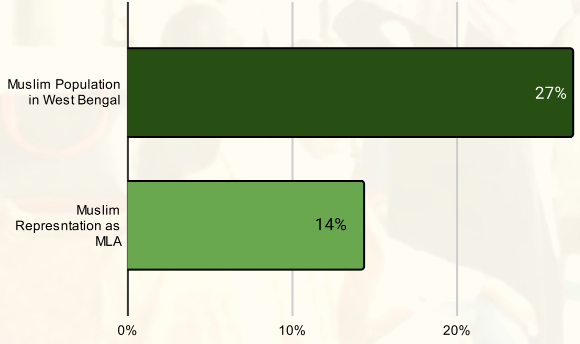

पश्चिम बंगाल में मुसलमानों की आबादी के अनुपात में विधानसभा में प्रतिनिधित्व आधा

66 सीटें SC के लिए आरक्षित

पश्चिम बंगाल विधानसभा में 66 सीटें दलित समुदाय के लिए आरक्षित है। जो दलित वोट कुछ समय पहले तक TMC के साथ होते थे उन्होंने अब विकल्प के रूप में भाजपा को भी चुनना शुरू कर दिया है। भाजपा का अधिक प्रभाव उत्तर बंगाल में है जिसका नतीजा ही था कि **2021 के विधानसभा में 66 SC आरक्षित सीटों में से 29 पर भाजपा की जीत** हुयी थी।

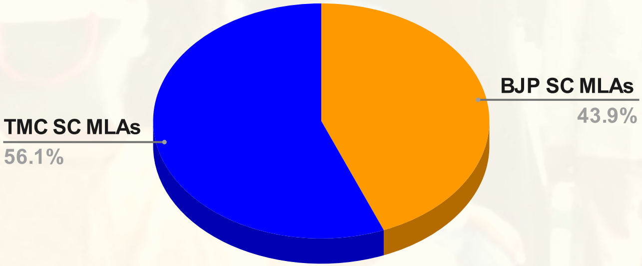

मुस्लिम बहुल सीटें SC आरक्षित

परिसीमन में कई सीटों पर दलित आबादी कम और मुस्लिम आबादी ज्यादा होने के बावजूद इनको आरक्षित कर दिया गया है। इनमें से 3 सीटें पर मुस्लिम आबादी 50% से ज्यादा होने के बावजूद परिसीमन की वजह से मुस्लिम चुनाव ही नहीं लड़ सकता है। **इसमें नबग्राम, मीनाखान और खारग्राम सीट शामिल हैं।**

ऐसे ही 3 सीटें ऐसी है जहां मुस्लिम मतदाता 44 फीसदी से ज्यादा है बावजूद इसके उन सीटों को आरक्षित कर दिया गया है। **इसमें मगरहाट पुरबा, हेमताबाद और स्वरूपनगर की सीट शामिल है।**

Assembly Name	Loksabha	Muslims %	Dalit %	Reserved
Nabagram	Jangipur	53.20%	23.60%	SC
Minakhan	Basirhat	52.20%	29.09%	SC
Khargram	Jangipur	50.30%	22.06%	SC
Magrahat Purba	Jaynagar (SC)	44.90%	34.61%	SC
Hemtabad	Raiganj	44.30%	35.21%	SC
Swarupnagar	Bangaon (SC)	44.10%	29.64%	SC

जनरल श्रेणी में दलित बहुल सीटें

परिसीमन में ये कैसा पैमाना है कि **प्रदेश की 5 दलित बहुल सीटों को आरक्षित करने की जगह जनरल श्रेणी में डाल दिया गया है।** इनमें से एक सीट हबीबपुर को केवल 27% आदिवासी आबादी होने के बावजूद ST के लिए आरक्षित कर दिया गया है **जबकि इस सीट पर दलित आबादी लगभग 50 फीसदी के करीब है।**

इसके अलावा **तूफानगंज (47.87%), अलीपुरदुआर (42.84%), नटबारी (41.97%) और दिनहाटा (41.42%) में भी दलित बहुल है** इसके बावजूद ये सीटें सामान्य श्रेणी में शामिल हैं।

Assembly Name	Loksabha	Dalit %	Muslim%	Category
Habibpur (ST)	Maldaha Uttar	48.97%	6%	ST (27.18%)
Tufanganj	Alipurduars (ST)	47.87%	18.70%	General
Alipurduar	Alipurduars (ST)	42.84%	5.30%	General
Natabari	Cooch Behar (SC)	41.97%	24.80%	General
Dinhata	Cooch Behar (SC)	41.42%	31.60%	General

SPECT
RESEARCH ASSOCIATION

SPECT Foundation

SWIPE 7

दलित बहुल होने का पैमाना!

एक तरफ परिसीमन में 42.7% दलित आबादी वाली बनगांव लोकसभा की सभी सात विधानसभा सीटों को SC के लिए आरक्षित कर दिया गया है। इसमें अधिकतर सीटें उत्तर 24 परगना की सीटें हैं जहां दलित आबादी केवल 20% है। **जिसमें 44.1% मुस्लिम आबादी वाली स्वरूपनगर सीट को भी आरक्षित कर दिया गया है।**

वहीं दूसरी तरफ भारत का एकलौता जिला कूच बिहार जो दलित बहुल है उस लोकसभा की 7 विधानसभा सीटों में से **केवल 4 सीटों को ही आरक्षित किया गया है। जबकि इस लोकसभा में दलित आबादी 48.6% है।** सोचिये दलित बहुल नटबारी और दिनहाटा को जनरल श्रेणी में ही रहने दिया गया है।

Assembly Name	Loksabha	Muslims %	Dalit %	Reserved
Swarupnagar	Bangaon (SC)	44.10%	29.64%	SC
Haringhata	Bangaon (SC)	21.70%	39.11%	SC
Bangaon Uttar	Bangaon (SC)	13.90%	39.41%	SC
Bagda	Bangaon (SC)	12.60%	53.14%	SC
Bongaon Dakshin	Bangaon (SC)	8.10%	49.57%	SC
Gaighata	Bangaon (SC)	7.40%	43.81%	SC
Kalyani	Bangaon (SC)	6.70%	42.72%	SC

Assembly Name	Loksabha	Muslims %	Dalit %	Reserved
Sitai	Cooch Behar (SC)	38.10%	50.56%	SC
Sitalkuchi	Cooch Behar (SC)	26.10%	63.59%	SC
Cooch Behar Uttar	Cooch Behar (SC)	17.70%	44.97%	SC
Mathabhanga	Cooch Behar (SC)	15.20%	59.74%	SC
Natabari	Cooch Behar (SC)	24.80%	41.97%	General
Dinhata	Cooch Behar (SC)	31.60%	41.42%	General
Cooch Behar Dakshin	Cooch Behar (SC)	29.10%	36.19%	General

आगामी परिसीमन में मुस्लिम सीटें!

सबसे बड़ा सवाल तो यही उभर कर सामने आता है कि अगर 2009 के परिसीमन में जंगीपुर लोकसभा की **नबग्राम और खारग्राम** मुस्लिम बहुल होने के बावजूद आरक्षित कर दी गयी थी तो क्या गारंटी है कि जंगीपुर लोकसभा की ही मुस्लिम बहुल और मुस्लिम विधायका वाली **रघुनाथगंज और लालगोला को परिसीमन में आरक्षित नहीं** किया जायेगा?

ऐसे ही बसीरहाट लोकसभा की मुस्लिम बहुल **मीनाखान** को आरक्षित कर दिया है तो क्या इस बात का यकीन रहेगा कि आगामी परिसीमन में **बसीरहाट लोकसभा की ही हरोआ को मुस्लिम बहुल सीट और मुस्लिम विधायक वाली सीट होने के बावजूद आरक्षित नहीं** किया जायेगा?

इससे भी आगे बढ़ कर जैसे जयनगर (SC) लोकसभा की **मगराहट पुरबा और जयनगर** को मुस्लिम केंद्रित होने के बावजूद आरक्षित कर दिया गया है तो आगामी 2026 के परिसीमन में इसी लोकसभा की **मुस्लिम विधायक वाली कैनिंग पुरबा सीट को आरक्षित नहीं** किया जा सकता है।

Muslim Majority Reserved Seats		*Muslim Majority Unreserved Seats*	
Assembly Name	**Loksabha**	**Assembly Name**	**Loksabha**
Nabagram	Jangipur	Raghunathganj	Jangipur
Khargram	Jangipur	Lalgola	Jangipur
Minakhan	Basirhat	Haroa	Basirhat
Magrahat Purba	Jaynagar (SC)	Canning Purba	Jaynagar (SC)
Jaynagar	Jaynagar (SC)		

SPECT
RESEARCH ASSOCIATION

SPECT Foundation

9
SWIPE

मुस्लिम सांसदी वाली सीट ख़त्म

पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के तहत **एक लोकसभा सीट आती थी कटवा** जिसको 2009 के परिसीमन में ख़त्म कर के **दो सीटों बर्धमान पुरबा (SC) और बर्धमान दुर्गापुर में तब्दील** कर मुसलमानों की आगामी दिनों में सांसद बनने की संभावना को खत्म कर दिया गया है। **ज्ञात रहे परिसीमन से पहले इस सीट पर 10 बार मुस्लिम सांसद रहा है।** 1980 से ही सीपीएम के टिकट पर सैफुद्दीन चौधरी और महबूब ज़ाहेदी 4-4 बार लगातार सांसद चुने जाते रहे हैं।

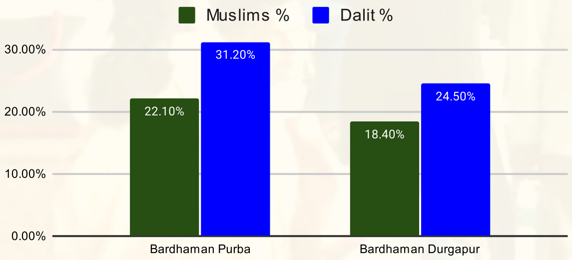

कटवा लोकसभा सीट की जगह बनाई गयी दो लोकसभा सीटें

परिसीमन की बहस का निष्कर्ष

परिसीमन के मामले को पश्चिम बंगाल के परिदृश्य में देखने के बाद सवाल उठता है कि दलित बहुल सीटों को छोड़ कर कम दलित आबादी वाली मुस्लिम केंद्रित सीटों को आरक्षित करने से किसका फायदा हो रहा है?

अगर 2009 का परिसीमन जो कथित तौर पर एक सेकुलर सरकार UPA के दौर में होने के बावजूद इतना अन्यायपूर्ण रहा है तो कट्टर हिंदुत्व की राजनीती करने वाली भाजपा के समय में 2026 में ये निष्पक्ष होगा ऐसा सोचना भी अपने आप में बेमानी बात होगी!

हाल ही में असम के परिसीमन में ऐसी हदबंदी हुयी है कि जो धुबरी और बरपेटा दोनों मुस्लिम बहुल लोकसभा सीटें होती थी उनको ऐसा बांटा गया है कि अब दुबारा बरपेटा से मुस्लिम सांसद नहीं चुना जा सकता है।

SPECT
RESEARCH ASSOCIATION
SPECT Foundation